5251

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–22)

निर्धारित समयः तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	**GSM (M-I)-2422**	अधिकतम अंकः 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Ravi Raaz **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): Hindi **Reg. Number:**

Center & Date: 5251 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 8007323

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

drishti | दृष्टि The Vision

1. न्यायिक स्वतंत्रता की संवैधानिक प्रत्याभूति लोकतंत्र के अस्तित्व का मूल है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10
The constitutional guarantee of judicial independence is fundamental to the existence of a democracy. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

न्यायिक स्वतंत्रता का आशय

न्यायपालिका का कार्यपालिका व विधायिका से पूर्णतः स्वतंत्र व पृथक होना होता है।

* लोकतंत्र में न्यायिक स्वतंत्रता का महत्व

- (i) विधायिका व कार्यपालिका के मनमानी के रोकथाम हेतु न्यायपालिका की स्वतंत्रता आवश्यक।
- (ii) चूंकि, कार्यपालिका व विधायिका मूलतः राजनीति के आधार पर कार्य करती है ऐसे में स्वतंत्र न्यायपालिका ही उनके राजनीतिक महत्वाकांक्षा व जनहित / संविधान के बीच सही संबंध स्थापित कर सकती है।
- (iii) लोकतंत्र में जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए न्यायपालिका की स्वतंत्रता पूर्व शर्त मानी जाती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

- (iv) स्वतंत्र न्यायपालिका सरकार के विभिन्न अंगों व स्तरों के संवैधानिक शक्तियों व दायित्वों के संरक्षण व संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

* भारत में न्यायपालिका हेतु उपबंध -

- (i) केशवानंद भारती (1973) और मिनर्वा मिल मामले (1980) सर्वोच्च न्यायालय न्यायपालिका की स्वतंत्रता को 'संविधान की आत्मा' करार दिया।
- (ii) 'कॉलेजियम प्रणाली' के द्वारा उच्चतर न्यायपालिका में नियुक्ति न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखने में सहायक।
- (iii) न्यायधीशों के कार्यकाल की स्वतंत्रता।
- (iv) नियुक्ति के पश्चात् न्यायधीशों के सेवा शर्तों में नकारात्मक परिवर्तन नहीं।

गौरतलब है कि स्वतंत्र न्यायपालिका ही जनता की स्वतंत्रता का संरक्षण व संवर्द्धन कर लोकतंत्र का अभिवर्धन कर सकती है।

drishti | दृष्टि The Vision

2. राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) भारत में हाशिये पर स्थित समुदायों को निशुल्क विधिक सहायता सेवाओं का प्रभावी अंतरण सुनिश्चित करता है। संपुष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

The National Legal Services Authority (NALSA) ensures the effective delivery of free legal aid services to marginalized communities in India. Substantiate. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान के अनुच्छेद 39 (क) के अनुसार भारत के संसद ने 1987 में NALSA Act पारित किया था।

NALSA के कार्य

कार्य
- (i) गरीबों को निशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना।
- (ii) लोगों को कानूनी जागरूकता प्रदान करना।
- (iii) देशभर में लोक अदालतों का आयोजन व संचालन करना।

→ NALSA के तहत निशुल्क विधिक सहायता के लिए पात्र वर्ग –

1. महिला व बच्चें
2. दिव्यांगजन
3. औद्योगिक श्रमिक
4. सामूहिक आपदा से पीड़ित वर्ग
5. तस्करी के शिकार व्यक्ति
6. मानव तस्करी
7. इच्छा वृत्ति करने वाले लोग
8. वे लोग जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 1 लाख से कम हो।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हाशिये पर खड़े लोगों को न्याय सुनिश्चित करने में NALSA की भूमिका-

भूमिका

1. न्यायिक प्रक्रिया का सुलभ व सहज होना।
2. न्यायिक प्राप्त करने में कम समय लगना।
3. सस्ती व सुगम्य न्यायिक प्रणाली।
4. आपसी सहमति व सौहार्द से न्यायिक निर्णयन।
5. भारतीय परंपरा व संस्कृति के अनुरूप।

उपरोक्त कारणों से यह कहा जा सकता है कि NALSA भारत में हाशिये पर खड़े लोगों को वैधानिक सहायता प्रदान कर समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने वाला कहा जा सकता है।

3. भारत में राज्य पंचायती राज संस्थाओं (PRI) को पर्याप्त कार्यात्मक और वित्तीय सशक्तीकरण प्रदान करने में असहयोगशील प्रतीत होते हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

States in India appear unwilling to grant Panchayati Raj Institutions (PRIs) adequate functional and financial empowerment. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान के 73 वें व 74 वें संशोधन में पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है।

पंचायती राज्य संस्थाओं की स्थापना के मूल्य उद्देश्य:-

उद्देश्य
- → विकेन्द्रीकरण
- → विकास में जनभागीदारी
- → स्थानीय विकास
- → समावेशी विकास

यद्यपि विभिन्न कारणों से पंचायती राज संस्था अपने उपरोक्त उद्देश्यों में अभी तक पूरी तरह से सफल नहीं हो पाया। इन कारणों में राज्य द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को अपर्याप्त कार्यात्मक और वित्तीय शक्ति का प्रदान करना सर्वप्रमुख है।

drishti
दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कुछ संबंधित तथ्य

- (i) ग्यारहवीं व बारहवीं अनुसूची के 29 तथा 18 विषयों में से औसतन 10 से 12 विषयों का ही हस्तांतरण PRI को किया गया है।
- (ii) RBI के अनुसार PRI अपने कुल वित्त के 95% तक के लिए राज्य व केंद्र सरकार के अनुदान पर निर्भर है।
- (iii) RBI के अनुसार भारतीय PRI का राजस्व व्यय G.D.P का 0.6% ही है।
- (iv) संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट के अनुसार PRI अपने प्राप्त शक्तियों व वित्त के उपयोग में सक्षम नहीं हैं।

ऐसे में PRI को परिणाममुखी बनाने के लिए संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट (2018) के सुझावों का अनुपालन उपयोगी होगा।

यथा -

- (i) समय पर PRI को अनुदान दिया जाए।
- (ii) केंद्र के द्वारा राज्यों की वित्तीय निगरानी बढ़ाई जाए।
- (iii) PRI को विकास बांड्स जारी करने चाहिए।

4. संसदीय संप्रभुता के प्रति ब्रिटिश तथा भारतीय दृष्टिकोण में समानताएँ और विभिन्नताएँ दोनों ही देखने को मिलती हैं। परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

The British and Indian approaches to parliamentary sovereignty exhibit both similarities and differences. Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत तथा ब्रिटेन दोनों ही संसदीय प्रणाली से शासित होने वाले राष्ट्र है किंतु दोनों ही देशों के संसदीय सर्वोच्चता के संबंध में दृष्टिकोणों में समानता व भिन्नता के पर्याप्त तत्व देखे जा सकते हैं।

संसदीय सर्वोच्चता में समानता के तत्व

(i) दोनों ही देशो मे संसद विधि निर्माण का सर्वोच्च निकाय हैं।

(ii) दोनों ही देशों में संसद न्यायपालिका के निर्णयों को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया से पलटने की शक्ति रखती हैं।

(iii) दोनों ही देशो की संसद (निम्न सदन) के प्रति दोनों देशों की कार्यपालिका सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।

(iv) दोनों ही देशो में संसद के पास न्यायधीशों को हटाने तथा उनके सेवा शर्तें आदि तय करने की भी शक्ति हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संसदीय सर्वोच्चता में भिन्नता के तत्व

ब्रिटेन	भारत
(1) न्यायपालिका भी पूरी तरह से संसद के अधीन।	(1) संसद के समानांतर न्यायपालिका भी स्वतंत्र।
(2) संसद विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के तहत कार्यरत	(2) विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के साथ ही यथोचित विधिक ~~प्राधिकार~~ प्रक्रिया से संसद संचालित।
(iii) संसद केंद्र तथा स्थानीय स्तर के लिए भी विधि बनाने में भी सक्षम।	(iii) भारत में केंद्र-राज्य के बीच शक्तियों का स्पष्ट विभाजन फलतः केवल केंद्रीय विषयों पर ही कानून बनाने में संसद समर्थ।
(iv) संसद कोई भी कानून बनाने में सक्षम।	(iv) संसद की शक्तियों पर कई प्रकार के प्रतिबंध।

भारत तथा ब्रिटिश संसदीय सर्वोच्चता की अवधारणा व स्वरूप में उपरोक्त समानता व अंतर दोनों देशों के संविधान शासन प्रणाली और भौगोलिक आकार में भिन्नता के कारण हैं।

5. राज्य विधानमंडल के पीठासीन अधिकारी विधायी कार्य में शिष्टाचार और अपक्षपात के सातत्य के साथ-साथ सुदृढ़ लोकतांत्रिक प्रथाओं को सुविधाजनक बनाने के लिये ज़िम्मेदार होते हैं। स्पष्ट कीजिये। (150 शब्द) 10

State legislature presiding officers are responsible for upholding decorum and impartiality in legislative work, as well as facilitating sound democratic practices. Explain. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संविधान के भाग-6 के विभिन्न अनुच्छेदों में राज्य विधानमंडल के अध्यक्ष/पीठासीन अधिकारी के कार्यों, शक्तियों व कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है।

विधायी कार्यों में शिष्टाचार और निष्पक्षता के साथ लोकतंत्र के सुविधाजनक बनाने में पीठासीन अधिकारियों के कार्य

- (i) सदन के सदस्यों को अपना मत व राय रखने का उपयुक्त समय व अवसर प्रदान करते हैं।
- (ii) अनुसूचित 10 के तहत दलबदल के आधार पर सदन के सदस्य के निर्हरता का निर्धारण करते हैं।
- (iii) कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसका निर्धारण भी राज्य विधानसभा के अध्यक्ष द्वारा किया जाता है।
- (iv) पीठासीन अधिकारियों के द्वारा विधानमंडल की समितियों के गठन और उसके अध्यक्ष की नियुक्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जाती है।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(v) वे सदन तथा सदन के सदस्यों के विशेषाधिकारों की सुरक्षा हेतु जिम्मेदार होते हैं (अनुच्छेद - 194)।

पीठासीन अधिकारियों की निष्पक्षता व स्वतंत्रता हेतु किए गए उपाय -

- केवल निर्णायक मत का अधिकार।
- कार्यकाल की स्वतंत्रता।
- अपने कार्यों के लिए किसी भी अदालत के प्रति उत्तरदायी नहीं।
- वरीयता अनुक्रम में ऊँचा स्थान।
- वेतन और भत्ते का राज्य के संचित निधि पर भारित होना।

यद्यपि विगत वर्षों में राज्य विधायिका के पीठासीन अधिकारियों के निष्पक्षता व कार्य की गुणवत्ता में ह्रास हुआ है। ऐसे में इस संबंध में जरूरी कदम उठाना समय की मांग है।

6. भारत के विकास में एक बड़ी चुनौती मानव संसाधन विकास पर अपर्याप्त ध्यान देना है। इस अपर्याप्तता को दूर करने संबंधी उपायों के सुझाव प्रदान कीजिये। (150 शब्द) 10

A major challenge in India's development is the insufficient focus on human resource development. Suggest measures to address this inadequacy. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

UNDP द्वारा प्रकाशित मानव विकास सूचकांक -2024 में भारत का 134 वाँ स्थान भारत में मानव संसाधन की अपर्याप्त विकास की पुष्टि करता है।

मानव विकास संसाधन के निम्न स्तर के कारण -

कारण
- (i) देश में उच्च आबादी के कारण प्रति व्यक्ति संसाधन वितरण निम्न।
- (ii) देश में व्याप्त गरीबी।
- (iii) शिक्षा व कौशल का निम्न स्तर।
- (iv) स्वास्थ्य सुविधा व अवसंरचना का अभाव।
- (v) भ्रष्टाचार।
- (vi) 45% आबादी का अविकसित कृषि क्षेत्र पर निर्भर होना।
- (vii) गुणवत्तापूर्ण रोजगार का अभाव।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सुधार हेतु सुझाव :-

सुझाव

(1) **शिक्षा**

(i) गुणवत्तापूर्ण व कौशलयुक्त शिक्षा के विकास पर ध्यान दिया जाए।

(ii) शिक्षा पर बजटीय परिव्यय GDP का 6% किया जाए (NEP-2020 के अनुसार)

(2) **स्वास्थ्य**

(i) राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 के सभी लक्ष्यों को 2025 तक सभी को प्राप्त करने के प्रयास किए जाए।

(ii) ग्रामीण स्तर से लेकर राजधानी तक PPP मॉडल पर स्वास्थ्य अवसंरचना में विकास किया जाए (15 वें वित्त आयोग के अनुसार)

(3) **जीवन स्तर मे सुधार**

→ विश्व बैंक के अनुसार 3-I -(इन्वेस्टमेंट, इन्फ्यूजन, इनोवेशन) को बढ़ावा दिया जाए।

→ आर्थिक समीक्षा 2023-24 के अनुसार गुणवत्तापूर्ण रोजगार (78.5 लाख प्रति वर्ष) सृजित किए जाए।

उपरोक्त सुझाव का अनुपालन वर्तमान मानव विकास स्कोर 0.644 मे सुधार कर 2047 तक विकसित भारत मे सहायक होगा।

7. भारतीय प्रतिस्पर्द्धा आयोग भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रमुख बाज़ार स्थिति के दुरुपयोग को रोकने में महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करता है। चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The Competition Commission of India plays a crucial role in preventing the misuse of dominant market positions by multinational companies in India. Discuss. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

8. सरकारी कार्यों में ई-गवर्नेंस के उपयोग से दक्षता, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व में सुधार हुआ है। इन विशेषताओं की अभिवृद्धि में बाधा डालने वाली कमियों पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

E-governance has brought about greater effectiveness, transparency, and accountability in government functions. Highlight the shortcomings that hinder the improvement of these features. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शासन कार्यों में सूचना व संचार प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग ही ई-गवर्नेंस कहलाता है।

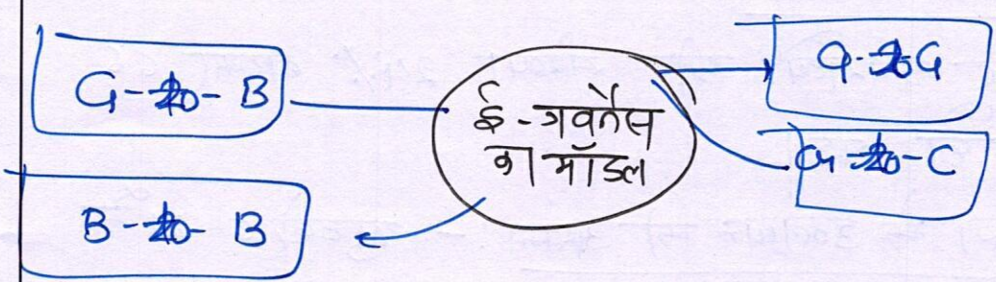

ई-गवर्नेंस के लाभ

- (I) दक्षता में वृद्धि।
- (II) जवाबदेहिता और पारदर्शिता।
- (III) समयबद्धता।
- (IV) सहभागितामूलक लोकतंत्र।
- (V) नैतिक शासन की स्थापना।

ई-गवर्नेंस में निहित कमियाँ/ सीमाएँ

- (I) डिजिटल डिवाइड → 30% आबादी डिजिटल डिवाइड से आज भी वंचित।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

② सीमित इंटरनेट कोनेक्टीविटि :- कुछ दिन पूर्व प्रकाशित हुई संसदीय समिति की रिपोर्ट के अनुसार केवल 28 % ग्राम पंचायत ही ब्रॉड-बैंड कोनेक्टीविटि से जुड़ सकें।

③ साइबर अपराध - NCRB के अनुसार 2022 में साइबर अपराधों की संख्या 24% बढ़कर 66 हजार हो गई।

④ निजता के उल्लंघन की आशंका :- अनुच्छेद-21 के तहत निजता एक मूल अधिकार।

⑤ डिजिटल साक्षरता का अभाव।

सुझाव
- Data Information Network का निर्माण।
- ExtraNet का विकास किया जाए।
- डिजिटल डिवाईस को समाप्त किया जाए
- MIS का विकास किया जाए।

देश में 95 करोड़ इंटरनेट उपभोक्ता है अतः भारत में ई-शासन स्वशासन व नैतिक शासन की स्थापना में सहायक हो सकता है।

drishti | दृष्टि The Vision

9. SCO को प्रायः चीन-रूस सहभागिता हेतु एक मंच के रूप में देखा जाता है। संगठन के भीतर भारत के सामरिक हितों के लिये इस साझेदारी के निहितार्थों पर चर्चा कीजिये। (150 शब्द) 10

The SCO is often seen as a platform for Sino-Russian collaboration. Discuss the implications of this partnership for India's strategic interests within the organization. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

शंघाई - 5 से शंघाई सहयोग संगठन के रूप में परिणत होने के लंबे समय तक SCO चीन - रूस सहभागिता हेतु एक मंच के रूप में जाना जाता रहा है किंतु, 2017 में भारत का SCO सदस्य बनने के बाद से ही भारत ने इस साझेदारी को अपने ढंग से प्रभावित करना शुरू कर दिया।

भारत के लिए उक्त साझेदारी का महत्व -

(i) बढ़ते चीन - रूस मित्रता से भारत रूस संबंधों में समस्या की संभावना।

(ii) चीन - रूस साझेदारी से इस संगठन का पश्चिमी विरोधी गुट के रूप में उभरना।

(iii) भारत के लिए रूस तथा चीन के साथ अपने संबंधों को बेहतर करने का भी एक उपयुक्त अवसर।

(iv) एक ही मंच पर भारत चीन और रूस के रूप में तीन प्रमुख आर्थिक व

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

सैन्य शक्ति के होने से पश्चिम के नेतृत्व वाले विश्व व्यवस्था के विकल्प के विकास मे सहायता।

भारत के लिए SCO का अन्य महत्व :-

- RATS भारत के आतंकवादरोधी प्रयासो मे सहयोगी
- एक ही साथ चीन व पाकिस्तान से वार्ता का एक मंच।
- मध्य एशियाई देशो से संबंधो को प्रगाढ करने में सहायक।
- USA तथा चीन-रूस नित्त वैश्विक व्यवस्था के बीच समन्वय स्थापित करने में सहयोगी।

इन्ही कारणों से भारत ने SCO मे सुधार हेतु अनेक कदम उठाए है यथा- 2018 में SACURE की अवधारणा और 2023 में SCO के पाँच स्तंभो की स्थापना।

drishti | दृष्टि The Vision

10. भारतीय प्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय देशों के राजनीतिक तथा आर्थिक परिदृश्य को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Indian diaspora significantly influences the political and economic landscapes of the United States and European countries. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार दुनियाभर में लगभग 1.75 करोड़ अप्रवासी भारतीय निवास करते है जिनमे से 80 लाख से अधिक अप्रवासी संयुक्त राज्य अमेरिका व यूरोप मे कार्यरत हैं।

भारतीय प्रवासियों के द्वारा USA तथा यूरोप पर डाला जाने वाला आर्थिक प्रभाव-

- ① USA की कुल आबादी मे प्रवासी भारतीय केवल 1% जबकि कुल कर में 6% का योगदान।
- ② USA के अधिकांश प्रमुख बहुराष्ट्रीय कंपनियो के महत्वपूर्ण पदों पर प्रवासियें भारतीयो की नियुक्ति (सुन्दर पिचाई CEO Google)।
- यूरोप मे भी भारतीय तकनीकी पेशवरों की बड़ी मांग (2022 में UK के द्वारा 3 हजार भारतीय तकनीकि विशेषज्ञों को प्रतिवर्ष विशेष वीजा देने का निर्णय।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) USA तथा यूरोप में कुशल भारतीयों की बड़ी मांग।

भारतीय प्रवासियों का USA तथा यूरोप पर राजनीतिक प्रभाव :-

→ (i) ~~भारतीय~~ भारतीय प्रवासियों का इन देशों में एक बड़ा वोट बैंक के रूप में संगठित होना (2019 में USA में हाउडी मोदी सम्मेलन का आयोजन)

(ii) USA तथा यूरोप के महत्वपूर्ण राजनीतिक व संवैधानिक पदों पर भारतीयों की नियुक्ति (कमला हैरिस USA और ऋषि सुनक UK)।

(iii) भारतीय प्रवासियों के द्वारा इन देशों के नीति निर्माण को प्रभावित किया जाना।

प्रधानमंत्री के द्वारा अपने विदेश यात्रा के दौरान प्रवासी भारतीयों को संबोधित करना, ICCR की बजटीय परिव्यय में वृद्धि और प्रवासी भारतीय कौशल विकास योजना जैसे प्रयास उपरोक्त आर्थिक राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में देखे जा सकते हैं।

11. भारत का संविधान एक गतिशील, जीवंत दस्तावेज़ है, जिसे प्रगतिशील समाज के साथ अनुकूलन और विकास के लिये अभिकल्पित किया गया है। जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिये।

(250 शब्द) 15

The Constitution of India is a dynamic, living document, designed to adapt and evolve with a progressive society. Illustrate with reference to right to life and personal liberty. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

12. जेंडर न्याय की अवधारणा भारतीय संविधान में अंतर्निहित है। प्रासंगिक संवैधानिक प्रावधानों और निर्णयज विधियों की सहायता से स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 15

The concept of gender justice is inherently embedded in the Indian Constitution. Explain with the help of relevant constitutional provisions and case laws. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

WEF के वैश्विक लैंगिक अंतराल सूचकांक 2024 में भारत का 129 वाँ स्थान भारत में जेंडर न्याय की अवधारणा के समक्ष एक प्रश्न चिह्न प्रतीत होता है। यद्यपि भारतीय संविधान के विभिन्न उपबंधों तथा विभिन्न निर्णयज विधियों में जेंडर न्याय से संबंधित उपबंधों का उल्लेख किया गया है।

✳ महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधान

(1) 15(3) - महिलाओं के विशेष उपबंध करने के लिए संसद/राज्य को प्राधिकृत।
→ 33% (क्षैतिज आरक्षण)

(ii) मूल अधिकारों के विभिन्न खण्डों यथा (15) (16) आदि में महिलाओं के साथ विभेद पर प्रतिबंध।

(iii) DPSP के तहत अनुच्छेद 39(क) (ख) (ड), 42 आदि में महिलाओं के लिए विशेष उपबंध का संवैधानिक आदेश।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(iv) 106 वाँ संविधान संशोधन अधिनियम के तहत अनुच्छेद 239 (क) (क), 330 और 332 के तहत संसद व राज्य विधायिकाओं में महिलाओं के लिए 1/3 आरक्षण की व्यवस्था।

⊛ महत्वपूर्ण निर्णय विधि

- सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा शाह बानो मामले में CrPC की धारा 125 को ~~विरुद्ध~~ लागू किया जाना।
- हाल ही में तीन तलाक पर प्रतिबंध।
- नाज फाउंडेशन 2018 में समलैंगिकता को कानूनी मान्यता
- ~~नाल~~ NALSA बनाम भारत संघवाद 2014 में ट्रांस जेंडर को भी अनुच्छेद -14 तथा 21 के तहत न्यायालय द्वारा अधिकृत किया जाना।

~~जेंडर न्याय~~

सीमाएँ

- ① ऑक्सफेम इंटरनेशनल के अनुसार पुरुषों के समानांतर महिलाओं को समान श्रमिक के बावजूद केवल 63%. तक भुगतान किया जाना।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

(ii) महिलाओं के द्वारा प्रतिदिन 7.2 घंटे अवैतनिक घरेलू बाजार पर खर्च किया जाना।

(iii) NCRB के अनुसार 2022 में महिलाओं के विरुद्ध अपराध में 4% की वृद्धि।

(+) 0.45 लाख

(iv) देश के लोकसभा में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी केवल 13.6%।

यद्यपि जेंडर न्याय सुनिश्चित करने के लिए देश में संवैधानिक न्यायिक व कार्यपालिका के स्तर पर कई प्रयास किये गए है तथापि SDG लक्ष्य 10 के अनुरूप जेंडर न्याय की अवधारणा आज भी दूर की कौड़ी बनी हुई।

13. भारत में प्रभावी नीतियों को आकार देने और कार्यान्वित करने में नागरिक समाज संगठनों के योगदान का अन्वेषण कीजिये।

(250 शब्द) 15

Explore the contribution of civil society organizations in shaping and executing effective policies in India.

(250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

14. 'भारतीय न्यायपालिका पुरुष प्रधान है।' इस कथन के आलोक में न्यायपालिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दों पर चर्चा कीजिये। साथ ही सुधारात्मक उपाय संबंधी सुझाव भी प्रदान कीजिये। (250 शब्द) 15

'Indian judiciary is a male dominated affair.' In the light of this statement discuss the issues related to the representation of women in judiciary. Also, suggest remedial measures. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

महिलाओं के प्रतिनिधित्व से संबंधित मुद्दे –

मुद्दे

(1) कुल जनसंख्या में आबादी में 49% की हिस्सेदारी किंतु उच्चतर न्यायपालिका में महिलाओं का केवल 8.5% प्रतिनिधित्व

(2) देश के सर्वोच्च न्यायालय में केवल 2 महिला न्यायधीशों की वर्तमान में उपस्थिति।

(3) विगत 75 वर्षों में एक भी महिला न्यायधीश सर्वोच्च न्यायालय की मुख्य न्यायधीश नहीं बन सकी।

(4) उच्च ~~न्यायपालिकाओं~~ न्यायालय में अधिकांश राज्यों के न्यायधीश पुरुष ही।

(5) अधीनस्थ न्यायपालिका में महिला न्यायधीशों के लिए अनुकूल बुनियादी व्यवस्था व सुविधाओं का अभाव।

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

कारण

- (i) महिला वकीलों का न्यायधीश बनने से इंकार कर देना। (पूर्व CJI अरविंद बोपड़े के अनुसार)
- (ii) न्यायिक व वकालत पेशे में भी महिलाओं की निम्न भागीदारी।
- (iii) कॉलेजियम में भाई-भतीजा वाद का आरोप।
- (iv) पुरुषों के द्वारा नियुक्ति के कारण पुरुष न्यायधीशों के प्रति स्वभाविक झुकाव।

सुधार हेतु उपाय

- पूर्व CJI N.V रमना के अनुसार महिलाओं को उच्चतर न्यायपालिका में 50% आरक्षण दिया जाना चाहिए।
- न्यायिक सेवा हेतु महिलाओं को जागरूक व प्रोत्साहित किया जाए।
- अखिल भारतीय न्यायिक सेवा का गठन किया जाए।
- न्यायधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया को अधिक समावेशी व पारदर्शी बनाया जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

15. भारतीय संविधान एकात्मकता का भाव रखता है यद्यपि इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि संविधान निर्माताओं ने राज्यों की सुदृढ़ता एवं स्वतंत्रता से समझौता किया है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

Indian Constitution comes with a unitary bias. However, that does not mean that the Constitution makers took anything away from strong and independent states. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

16. राज्यसभा की उपेक्षा करने के लिये कुछ विधेयकों को धन विधेयक के रूप में वर्गीकृत करना संवैधानिक चिंताएँ उत्पन्न करता है। इस संवैधानिक चिंता के समाधान से संबंधित उपायों के सुझाव प्रदान कीजिये। (250 शब्द) 15

Categorization of certain bills as Money Bills to bypass Rajya Sabha raises constitutional concerns. Suggest ways to tackle this constitutional concern. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

17. 'भारतीय संविधान अंशतः पश्चिमी देशों के संविधान से गृहित दस्तावेज़ है।' समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये।

(250 शब्द) 15

'Indian Constitution is a bag of borrowings.' Critically analyse. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

18. प्रौद्योगिकी के संबंध में जागरूकता का अभाव या अपर्याप्त ज्ञान समाज में डिजिटल विभाजन का कारण बनता है। स्पष्ट कीजिये कि यह भारत के शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को कैसे प्रभावित करता है। (250 शब्द) 15

Lack of technological awareness or knowledge leads to a digital divide in society. Explain how it adversely effects the education and health sector of India. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

19. नाटो का विस्तार एवं अमेरिकी-यूरोपीय सामरिक सहयोग का सुदृढ़ीकरण भारत के हितों को संपुष्ट करता है। टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 15

India's interests are well-served by NATO's growth and the stronger U.S.-Europe strategic cooperation. Comment. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

20. पर्यावरण संरक्षण एवं समुद्री सुरक्षा संवर्द्धन में IMO (अंतर्राष्ट्रीय समुद्री संगठन) की भूमिका को कम करके नहीं आंका जा सकता। चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 15

Role of IMO (International Maritime Organisation) in protecting environment and enhancing maritime safety and security cannot be overstated. Discuss. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

drishti दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)